POLSTRAT x C-VOTER

COVID-19 पोल

लॉकडाउन में रियायत के साथ भारतीयों में कोरोनोवायरस का डर बढ़ा है

कोरोनावायरस के कुल मामले बनाम कोरोनावायरस का खतरा

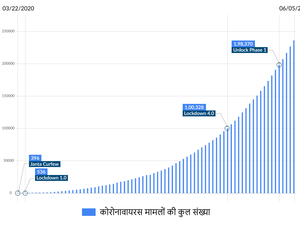

कोरोनावायरस मामलों की कुल संख्या

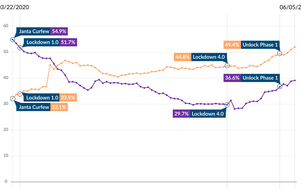

उत्तरदाताओं का प्रतिशत (%) जो डरते हैं कि स्वयं या उनके परिवार में कोई व्यक्ति वास्तव में कोरोनावायरस से पीड़ित हो सकता सकता है।

उत्तरदाताओं का प्रतिशत (%) जो मानते हैं कि कोरोनावायरस से खतरा बढ़ा चढ़ा कर पेश किया जा रहा है।

समय सीमा

30th जनवरी 2020 — भारत में कोरोनावायरस का पहला मामला।

22nd मार्च 2020 — जनता कर्फ्यू।

24th मार्च 2020 — 21-दिवसीय देशव्यापी तालाबंदी की घोषणा (लॉकडाउन 1.0)।

13th अप्रैल 2020 — कोरोनावायरस पॉजिटिव मामलों की संख्या 10,000 का आंकड़ा पार कर गई।

15th अप्रैल 2020 — लॉकडाउन 2.0 शुरू।

04th मई 2020 — लॉकडाउन 3.0।

18th मई 2020 — लॉकडाउन 4.0 रियायत के साथ (हरे और नारंगी ज़ोन में)।

01st जून 2020 — अनलॉक फेज 1 (लॉकिंग 5.0 के साथ केवल नियंत्रण क्षेत्र में)।

क्या लॉकडाउन में रियायत पेश किये जाने की वजह से कोरोनावायरस का डर बढ़ गया है?

18 मई को लॉकडाउन 4.0 में रियायत की घोषणा और बाद में 1 जून से घोषित अनलॉक चरण, हमने उन उत्तरदाताओं के प्रतिशत का निरीक्षण किया है जो सोचते हैं कि वे या उनके परिवार में कोई व्यक्ति कोरोनावायरस से पीड़ित हो सकते हैं।

अप्रैल और मई (18 मई तक) में लॉकडाउन की अवधि के दौरान, उत्तरदाताओं का प्रतिशत जिन्होंने सोचा कि वे या उनके परिवार में कोई व्यक्ति कोरोनोवायरस से पीड़ित हो सकते हैं है, लगभग 40-45% पर स्थिर रहा। हालांकि, छूट की घोषणा और अनलॉक चरण के बाद, 5 जून तक प्रतिशत 44% से बढ़कर लगभग 52% हो गया है।

अधिक भारतीयों को लगता है कि कोरोनावायरस से खतरे को बढ़ा चढ़ा कर पेश किया जा रहा है क्योंकि लॉकडाउन में रियायत की शुरुआत की जा रही है।

पहले लॉकडाउन की घोषणा तक, आधे से अधिक भारतीयों का मानना था कि वायरस से खतरा बढ़ा कर पेश किया जा रहा था।

मई के पूरे महीने में (लॉकडाउन 4.0 से पहले तक) भारतीयों का प्रतिशत, जो सोचते थे कि कोरोनावायरस का खतरा बढ़ा कर पेश किया जा रहा है, लगभग 30% स्थिर था।

हालाँकि, बाद के अनलॉक चरण में जब से लॉकडाउन में रियायत पेश किया गया है, भारतीयों का प्रतिशत जो सोचते हैं कि कोरोना का प्रतिशत बढ़ा है, वह बढ़कर 39% (5 जून) हो गया है।

वर्तमान सर्वेक्षण के निष्कर्ष और अनुमान टीम C-Voter की दैनिक ट्रैकिंग पोल पर आधारित हैं, जो 22 मार्च 2020 से 5 जून 2020 तक 18+ वयस्कों के बीच राज्यव्यापी हैं, जिसमें हर प्रमुख जनसांख्यिकीय शामिल है।

डेटा को हर राज्य के ज्ञात जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल में शामिल किया जाता है, जिसमें आयु वर्ग, सामाजिक समूह, आय, क्षेत्र, लिंग और शिक्षा स्तर शामिल हैं।

सोशल मीडिया पार्टनर

अधिक जानकारी के लिए:
polstrat.com | teamcvoter.com